आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 4/अंक 1/मार्च 2024
Received: 10/03/2024; Published: 24/03/2024

कविता

देशभक्त

साहिल चंद ,

बी.ए., सुराणा कॉलेज (स्वायत्त),बेंगलूरु

मैं हूँ एक देश भक्त

न पूछो मेरा जाति – धर्म

प्रेम भाव रखता मैं

सदैव अपने इअस मिट्टी के हृदय में ।

जीवन के इस पग में

इच्छा है मेरी बस एक ही –

नाम चमके मेरे देश का

जैसे किरणों चमके ऊँचे गगन में ।

एकता में है बल

ये सीख लिए सदैव आगे बढ़े हम ।

न डरे न झूके मैं लड़ूँ

क्योंकि भारत मँ का पूत हूँ ।

भेद – भाव के दोष से

हे प्रभू करना तू मेरी रक्षा ,

मैं गिरा तो सँभाले मुझे , मेरे ये भाई – बंधू

बस यूँ ही सब साथ रहे

और बनाए रखे अपने माँ की शान

क्योंकि भारत देश के हैं हम

और देशभक्त है मेरा नाम ।

****